RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

12th GEOGRAPHY

ARJUN BATCH

मानव भूगोल

द्वितीयक क्रियाएँ

अध्याय-5 | भाग-01

20 अगस्त 2026 || 05:00 PM



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

विनिर्माण



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

द्वितीयक क्रियाएँ

प्राकृतिक रूप से प्राप्त कच्चे माल को जब मनुष्य अपने कौशल, ज्ञान एवं श्रम लगाकर नये उपयोगी उत्पाद में बदल देता है तो इसे द्वितीयक क्रिया कहा जाता है।



प्राथमिक क्रियाओं
↓
प्राप्त कच्चा माल
↓
मानव कौशल, ज्ञान व श्रम लगाकर
↓
प्राथमिक उत्पाद में परिवर्तन
↓
द्वितीयक क्रिया

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- द्वितीयक गतिविधियों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का मूल्य बढ़ जाता है।
- प्रकृति में पाए जाने वाले कच्चे माल का रूप बदलकर उसे मूल्यवान बना देता है।
- खदानों से प्राप्त लौह-अयस्क का हम प्रत्यक्ष उपयोग नहीं कर सकते, परंतु अयस्क से इस्पात बनाने के बाद यह मूल्यवान हो जाता है, और इसका उपयोग कई प्रकार की मशीनें एवं औज़ार बनाने में होता है।

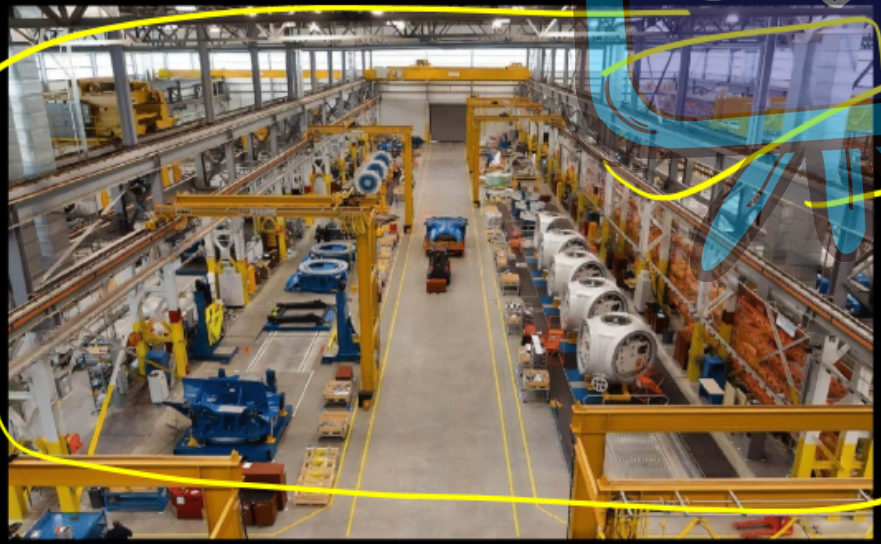
प्राथमिक उत्पाद
=
मानव तकनीकी दक्षता
=
प्राकृतिक संसाधनों का मूल्य बढ़ जाता है

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विनिर्माण

- विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ है 'हाथ से बनाना'।
- विनिर्माण से आशय किसी भी वस्तु के उत्पादन से है।



कारखाना → वस्तु का उत्पादन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

हस्तशिल्प कार्य से लेकर लोहे व इस्पात को गढ़ना, प्लास्टिक के खिलौने बनाना, कंप्यूटर के अति सूक्ष्म घटकों को जोड़ना एवं अंतरिक्षयान निर्माण इत्यादि सभी प्रकार के उत्पादन को विनिर्माण के अंतर्गत ही माना जाता है।

हस्तशिल्प

लोहे इस्पात

प्लास्टिक के खिलौने → 6ठा

विनिर्माण प्रक्रियाओं की सामान्य विशेषताएँ

- शक्ति का उपयोग
- वस्तुओं का विशाल उत्पादन
- कारखानों में विशिष्ट श्रमिक
- विनिर्माण आधुनिक शक्ति के साधन एवं मशीनरी के द्वारा या पुराने साधनों द्वारा किया जाता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की विशेषताएँ

विनिर्माण

1. कौशल का विशिष्टीकरण

- शिल्प तरीके से कारखाने में थोड़ा ही सामान उत्पादित किया जाता है। जो कि आदेशानुसार बनाया जाता है, अतः इसकी लागत अधिक आती है। जबकि अधिक उत्पादन का संबंध बड़े पैमाने पर बनाए जाने वाले सामान से है जिसमें प्रत्येक कारीगर निरंतर एक ही प्रकार का कार्य करता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. यंत्रीकरण

- यंत्रीकरण से तात्पर्य है किसी कार्य को पूर्ण करने के लिए मशीनों का प्रयोग करना। स्वचालित (निर्माण प्रक्रिया के दौरान मानव की सोच को सम्मिलित किए बिना कार्य) यंत्रीकरण की विकसित अवस्था है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. प्रौद्योगिकीय नवाचार

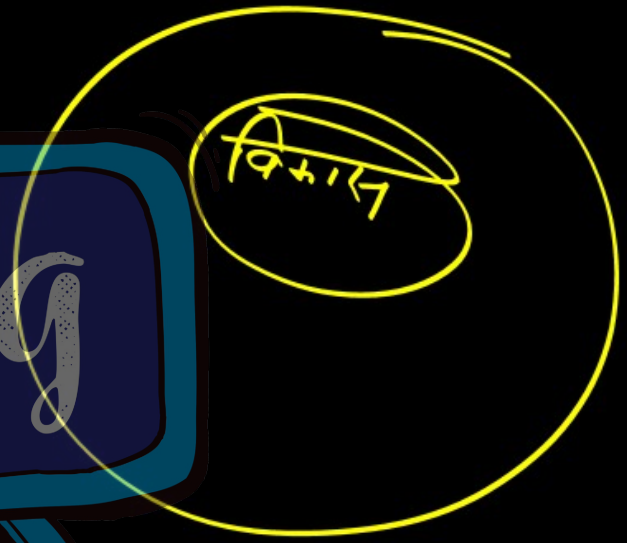
- प्रौद्योगिक नवाचार, शोध एवं विकासमान युक्तियों के द्वारा विनिर्माण की गुणवत्ता को नियंत्रित करने, अपशिष्टों के निस्तारण एवं अदक्षता को समाप्त करने तथा प्रदूषण के विरुद्ध संघर्ष करने का महत्त्वपूर्ण पहलू है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. अनियमित भौगोलिक वितरण

- आधुनिक निर्माण के मुख्य संकेंद्रण कुछ ही स्थानों में सीमित हैं।
- विश्व के कुल स्थलीय भाग के 10 प्रतिशत से कम भू-भाग पर इनका विस्तार है।



mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5. संगठनात्मक ढाँचा एवं स्तरीकरण

आधुनिक निर्माण की विशेषताएँ हैं–

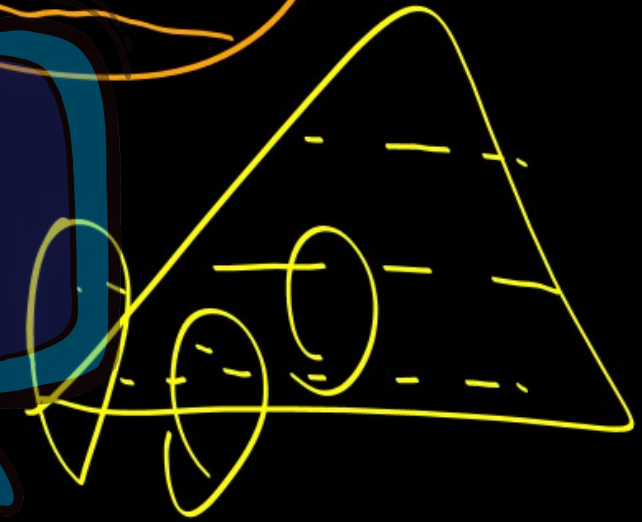
(i) एक जटिल प्रोद्यौगिकी यंत्र

(ii) अत्यधिक विशिष्टीकरण एवं श्रम विभाजन के द्वारा कम प्रयास एवं अल्प लागत से अधिक माल का उत्पादन करना।

(iii) अधिक पूँजी

(iv) बड़े संगठन एवं

(v) प्रशासकीय अधिकारी-वर्ग



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाले कारक

- उद्योग अपनी लागत घटाकर लाभ को बढ़ाते हैं इसलिए उद्योगों की स्थापना उस स्थान पर की जानी चाहिए जहाँ पर उत्पादन लागत कम आए।

विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ → हाथ से बुनना

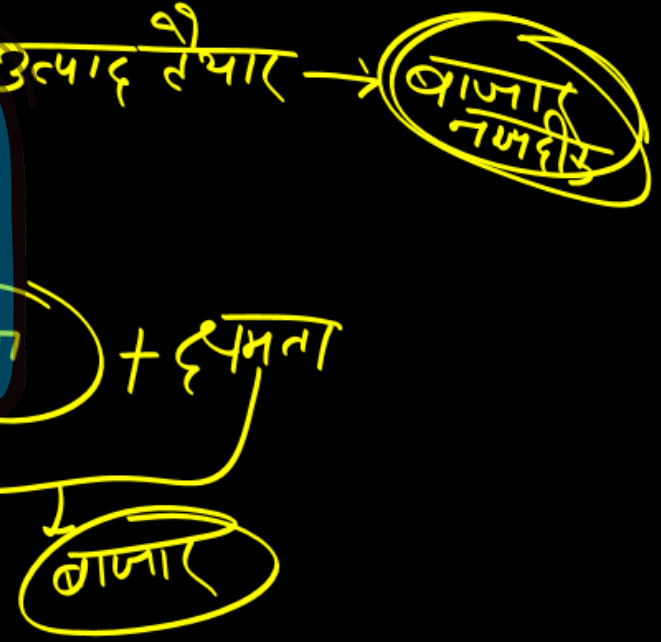
द्वितीयक क्रिया

प्राथमिक क्रियाओं से प्राप्त उत्पाद को मानव कौशल, क्षमता, तकनीकी के द्वारा उन उत्पादों में परिवर्तन करके मूल्य बढ़ा देता है।

① निर्माण ② विनिर्माण ③ उद्योग।

1. बाज़ार तक अभिगम्यता

- उद्योगों की स्थापना में सबसे प्रमुख कारक उसके द्वारा उत्पादित माल के लिए उपलब्ध बाज़ार का होना है।
- बाज़ार से तात्पर्य उस क्षेत्र में तैयार वस्तुओं की माँग एवं वहाँ के निवासियों में खरीदने की क्षमता (क्रय शक्ति) है।
- दूरस्थ क्षेत्र जहाँ कम जनसंख्या निवास करती है छोटे बाजारों से युक्त होते हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यूरोप, उत्तरी अमेरिका, जापान एवं आस्ट्रेलिया के क्षेत्र वृहद् वैश्विक बाज़ार हैं, क्योंकि इन प्रदेशों के लोगों की क्रय क्षमता अधिक है।



mg वृहद वैश्विक बाज़ार

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता

- उद्योग के लिए कच्चा माल अपेक्षाकृत सस्ता एवं सरलता से परिवहन योग्य होना चाहिए।
- भारी वजन, सस्ते मूल्य एवं वजन घटने वाले पदार्थों (अयस्क) पर आधारित उद्योग कच्चे माल के स्रोत स्थल के समीप ही स्थित हैं, जैसे- इस्पात, चीनी एवं सीमेंट उद्योग।

कपास → वस्त्र मिल
गन्ना → चीनी मील
कोयला → इस्पात के कारखाने
चूनापत्थर → सीमेन्ट

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. श्रम आपूर्ति तक अभिगम्यता

उद्योगों की अवस्थिति में श्रम एक प्रमुख कारक है। बढ़ते हुए यंत्रीकरण, स्वचलन एवं औद्योगिक प्रक्रिया के लचीलेपन ने उद्योगों में श्रमिकों पर निर्भरता को कम किया है, फिर भी कुछ प्रकार के उद्योगों में अब भी कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है।

① बाजार अभिगम्यता
② कच्चा माल अभिगम्यता
③ श्रम आपूर्ति अभिगम्यता

4. शक्ति के साधनों तक अभिगम्यता

वे उद्योग जिनमें अधिक शक्ति की आवश्कता होती है वे ऊर्जा के स्रोतों के समीप लगाए जाते हैं, जैसे एल्यूमिनियम उद्योग। प्राचीन समय में कोयला प्रमुख शक्ति का साधन था पर आजकल जल विद्युत एवं खनिज तेल भी कई उद्योगों के लिए शक्ति का महत्त्वपूर्ण साधन है।



शक्ति
ऊर्जा
कोयला, पेट्रोल, डीजल, प्राकृतिक गैस
जल विद्युत ऊर्जा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. परिवहन एवं संचार की सुविधाओं तक अभिगम्यता

- कच्चे माल को कारखाने तक लाने के लिए और परिष्कृत सामग्री को बाजार तक पहुँचने के लिए तीव्र और सक्षम परिवहन सुविधाएँ औद्योगिक विकास के लिए अत्यावश्यक हैं।
- परिवहन लागत किसी औद्योगिक इकाई की अवस्थिति को निश्चित करने में महत्त्वपूर्ण कारक हैं।

① बाजार की अभिगम्यता
② कच्चेमाल अभिगम्यता
③ शक्ति के साधन
④ श्रमिकों की अभिगम्यता
⑤ परिवहन व संचार के साधन

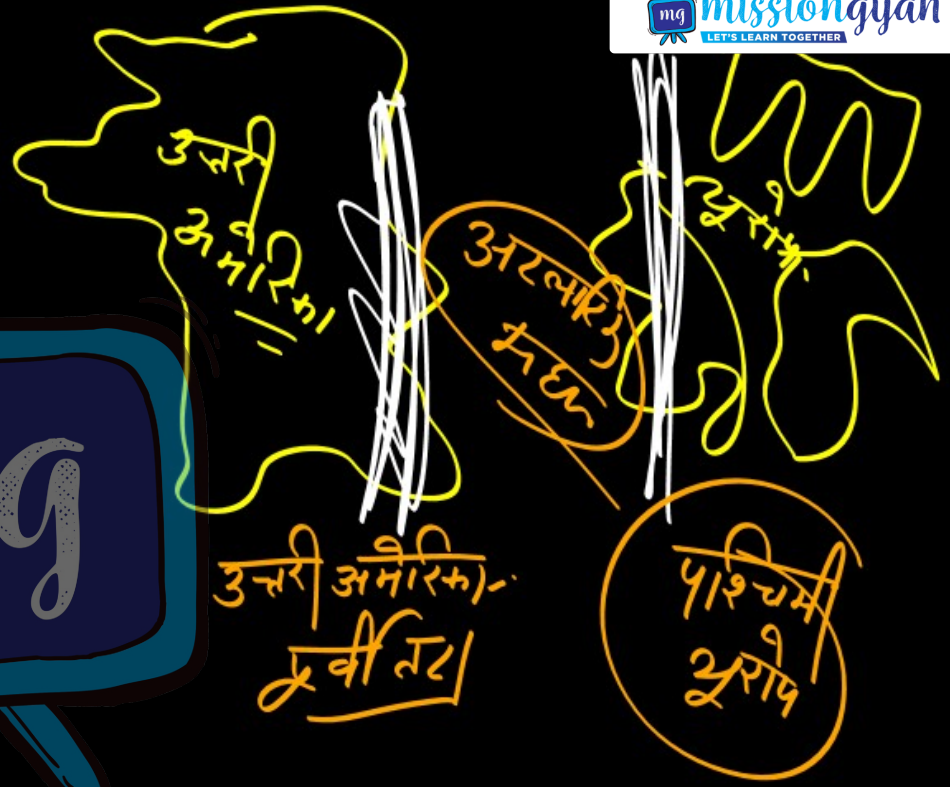
mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पश्चिमी यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भागों में अत्यधिक परिवहन तंत्र विकसित होने के कारण सदैव इन क्षेत्रों में उद्योगों का संकेंद्रण हुआ है।





RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. समूहन अर्थव्यवस्था तक अभिगम्यता/उद्योगों के मध्य संबंध

- प्रधान उद्योग की समीपता से अन्य अनेक उद्योग लाभान्वित होते हैं। ये लाभ समूहन अर्थव्यवस्था के रूप में परिणत हो जाते हैं।
- विभिन्न उद्योगों के मध्य पाई जाने वाली शृंखला से बचत की प्राप्ति होती है।

7. सरकारी नीति

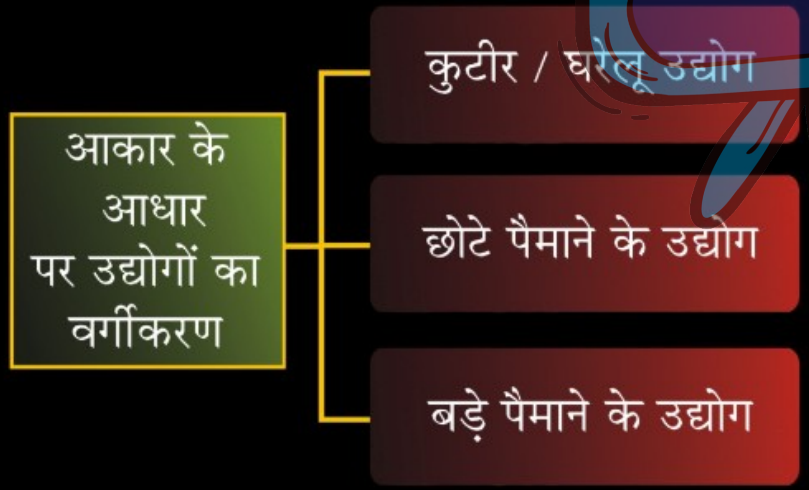
- संतुलित आर्थिक विकास हेतु सरकार प्रादेशिक नीति अपनाती है जिसके अंतर्गत विशिष्ट क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना की जाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण

विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण उनके आकार, कच्चा माल, उत्पाद एवं स्वामित्व के आधार पर किया जाता है-



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कुटीर उद्योग

- यह निर्माण की सबसे छोटी इकाई है। इसमें शिल्पकार स्थानीय कच्चे माल का उपयोग करते हैं एवं साधारण औज़ारों द्वारा परिवार के सभी सदस्य मिलकर अपने दैनिक जीवन के उपभोग की वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। तैयार माल का या तो वे स्वयं उपभोग करते है या इसे स्थानीय गाँव के बाज़ार में विक्रय कर देते हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- कभी ये अपने उत्पादों की अदला-बदली भी करते हैं। पूँजी एवं परिवहन इन उद्योगों को अधिक प्रभावित नहीं करते हैं क्योंकि इनके द्वारा निर्मित वस्तुओं का व्यापारिक महत्त्व कम होता है एवं अधिकतर उपकरण स्थानीय लोगों द्वारा निर्मित होते हैं।
- दैनिक जीवन के उपयोग में आने वाली वस्तुओं जैसे खाद्य पदार्थ, कपड़ा, चटाइयाँ, बर्तन, औज़ार, फर्नीचर, जूते एवं लघु मूर्तियाँ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इसके अतिरिक्त पत्थर एवं मिट्टी के बर्तन एवं ईंट, चमड़े से कई प्रकार का सामान बनाया जाता है। सुनार सोना, चाँदी एवं ताँबे से आभूषण बनाता है। कुछ शिल्प की वस्तुएँ बाँस एवं स्थानीय वन से प्राप्त लकड़ी से बनाई जाती है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

छोटे पैमाने के उद्योग

- यह कुटीर उद्योग से भिन्न है। इसके उत्पादन की तकनीक एवं निर्माण स्थल (घर से बाहर कारखाना) दोनों कुटीर उद्योग से भिन्न होते हैं।
- इसमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग होता है एवं अर्द्धकुशल श्रमिक व शक्ति के साधनों से चलने वाले यंत्रों का प्रयोग किया जाता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- रोज़गार के अवसर इस उद्योग में अधिक होते हैं जिससे स्थानीय निवासियों की क्रय शक्ति बढ़ती है। भारत, चीन, इंडोनेशिया एवं ब्राजील।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

बड़े पैमाने के उद्योग

- बड़े पैमाने के उद्योग के लिए विशाल बाज़ार, विभिन्न प्रकार का कच्चा माल, शक्ति के



साधन, कुशल श्रमिक, विकसित प्रौद्योगिकी, अधिक उत्पादन एवं अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों का प्रकार

(i) परंपरागत वृहत औद्योगिक प्रदेश जिनके समूह कुछ अधिक विकसित देशों में है।

(ii) उच्च प्रौद्योगिकी वाले वृहत औद्योगिक प्रदेश जिनका विस्तार कम विकसित देशों में हुआ है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

औद्योगिक प्रदेश अथवा संकुल



- जब किसी क्षेत्र विशेष में एक समान अथवा एक-दूसरे से अन्तः सम्बन्धित उद्योगों का एक गुच्छ या समूह विकसित होता है तो उसे औद्योगिक प्रदेश अथवा संकुल कहा जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

औद्योगिक बस्तियाँ



- नगरों के बाहर औद्योगिक क्षेत्रों में बसाई गई बस्तियाँ।